Volume : 2 | Issue : 4 | April 2013 ISSN - 2250-1991

Research Paper Sociology

# Institutions are Wheels on Which Human Society Marches on

* Prof. Bhavisha R Amaravat

* Assistant Professor, Government Arts College, Shahera Dist. Panchmahal

व्यकितगत् अने जूथ जीवन संस्थाकीय माएखामां ज जीवाय छे। अने प्रत्येक समाज जे कोइ प्रवृतिओ करे छे। ते तेनी संस्थाओ द्वारा ज शकय बने छे। आथी ज बार्न्स संस्थाओ विशे कहे छे। " Institutions are wheels on which human society marches on " अेटलु ज नहीं पण आ संस्थाओ द्वारा प्रत्येक समाजना सांस्कृतिक वारसानुं सातत्त्जएवाइ रहे छे। अने तेनाथी ज समाज टकी रहे छे। लग्न,कुटुंब, राजय, शिक्षण,ज्ञाति वगेरे जेवी सामाजीक, आर्थिक संस्थाओ कार्यरत होय छे। आ उपरांत परोक्ष रीते वर्तमान समयमां पण अनेक संस्थाओ समाज नी नबएी पडती संस्थाओने सहायरूप बनवा वृध्धाश्रम, अनाथ आश्रम, सेवा संस्था, नारीनिकेतन-गृह, वगेरे कार्य करे छे।

वर्तमानयुगमां अनाथआश्रमो जेवी सामाजिक संस्थाओनो शास्त्रीय अने वैज्ञानिक पध्धतिथी अभ्यास आवश्यक गणाय छे। आवी संस्थाओ मानवतानुं झरणुं वहेतु राखे छे। तेमां पण ते सामजिक - आर्थिक विकासमां प्राण पूरे छे। अनेक संस्था बाएकोने मात्र अनाथ आश्रममां प्रवेश नथी आपती परंतु ते साथे तेमने माता- पिता माटेनी झंखनानी पूर्ति करे छे।

अनाथ आश्रम :-

अेवु घर के परिवारो के जे अनाथ त्यजायेल बाएकोनी पोतानां ज बाएकोनी जेम देखभाए राखे छे। जयां सुधी बाएकनां पोताना माता - पिता के संबधी बाएकने पोतानी साथे लइ नां जाय त्यां सुधी ते बाएकनां पालन पोषणनो अधिकार तेमनां उपर होय छे। जयां सुधी बाएकने कोइ दत्तक के गोद न लइ शके अथवा तो ते पोताना पग पर उभो न रही शके त्यां सुधी बधीज जवाबदारी अनाथ आश्रमनी होय छे। ते जवाबदारी संभाएवा माटे तेमने महेनतांणुं मएतुं होय छे।

निराधार, निराश्रीत अेवा जन्मथी लइ मोटी वयनां बाएको छोकरा- छोकरीओने आश्रय आपी तेमने स्वाश्रयी करवानो प्रयत्न करवामां आवतो होय छे। आ अनाथ आश्रमनो प्राथमिक अने मुख्य ध्येय अे छे के अनाथ बाएकोने नवु जीवनदान मए ` जे माटे दत्तक आपवा माटे सारु वातावरण ऊभु करवानुं तेमज अेवो मानवलक्षी विचार छे। के बेघर बाएक, त्यजी दीधेल बाएकोने पुन : स्थापित करी अेमने नवा उत्तम मार्गे गतिमान करवा जे माटे बाएकोने संस्थामां सारी केएवणी तेमज दत्तक आपवानुं कार्य करवानो ध्येय छे।

समाज सुरक्षा खातानी प्रवृतिओ मुख्यत्वे समाजमां नबएा वर्गो जेवा के अनाथ, गुन्हावृति तरफ वएेला बाएको तेमज युवान अने संजोगोनो भोग बनेल बाएाओ, शारीरिक - मानसिक क्षतिवाएा बाएको अने पुख्तवयनी व्यकितओ तथा वृध्धो, अश्कतो अने भिक्षुकोना कल्याण तेमज पुन : वसवाट वगेरे साथे संकएायेली छे।

नियामक, समाज सुरक्षा :-

आ योजना हेठए अनाथ, निराधार, उपेक्षित बाएक- बाएाओने आश्रय आपी तेओ ने योग्य शिक्षण अने तालीम आपी समाजमां स्थापित करे छे। पुन : स्थापीत करी शकाय ते माटे कुल बार के तेर अनाथ आश्रम राजयमां कार्यरत छे बाएकोने शैक्षणिक अने व्यवसायिक तालीम अपाय छे। तेमज सामान्य शाएाओमां अभ्यास अर्थे मोकलाय छे। संस्थामांथी छूटतां अंतेवासी

गुजरात राजयमां ० थी ७ वर्षनी उमरना अनाथ, निराधार बाएकोने वहेली तके पुनः स्थापित करवा माटे जरूरीयातमंद वालीओ के जेमने पोताना बाएको नथी। तेवा दंपतिओने आ अनाथ बाएकोने दत्तकमां आपवामां आवे छे। राजयमां कुल ९ सरकारी संस्था अने १० स्वैच्छिक संस्थाओ आवा अनाथ बाएकोने देशमां तथा परदेशमां बएकोने दत्तक आपवानी कामगीरी करवा माटे रीसोर्स ओर्थोरिटीनी रचना भारत सरकार द्वारा करवामां आवेल छे। सेंन्ट्रल अेडोप्शन रीसोर्स ओथोरिटी "कढारा" द्वारा तथा नामदार हाइकोर्ट द्वारा वखतो वखत आपवामां आवेल मार्गदर्शक सूचनाओ मुजब उछेर/दत्तक नी कामगीरी हाथ धराय छे। बाएकने उछेरमां लेवा इच्छनार अरजदार दंपतिनी कौटुंबिक, सामाजिक, वैधकिय, शैक्षणिक वगेरे तमाम पासाओनी चकासणी करी बाएकोनो योग्य उछेर करवा माटे अरजदार दंपति योग्य छे के केम ? ते ध्यानमां लइ चाइल्ड वेलफेर कमीटीना आदेशथी बाएकोने उछेरमां आपवामां आवे छे। त्यारबाद हिन्दु अेडोप्शन अेकट अथवा गांर्डीयन अेन्ड वोर्डझ अेकट, जुवेनाइल जस्टीस अेकट र०००(सुधारो- र००६) हेठए दत्तक आपवानी कार्यवाही हाथ धरवामां आवे छे।

बाएकोने उच्चत्तर अभ्यास माटे छूटया पछी अभ्यास चालु होय तो स्नातक कक्षाना अभ्यासक्रम सुधी रूा। ६००० सुधीनी वार्षिक / शिष्यृति अपाय छे। अेटलुज नहीं अंतेवासीओना पुन : स्थापना माटे उघोगना साधनो खरीदवा माटे रूा। १०००/- सुधीनी आर्थिक सहाय तेमज अनाथ युवतीओने लग्न द्वारा पुन : स्थापित करवा रूा। ३००००/- नी सरकारश्री तरफथी आर्थिक सहाय आपवामां आवे छे।

कायदा अने नियमो :-

(१) माता - पिता अने वरिष्ठ नागरिकोनां भरण पोषण अने कल्याण बाबतमां अधिनियम - र००९।
(र) बाएलग्न प्रतिबंधक अधिनियम- र००६
(३) प्रोबेशन ओफ ओफेन्डर्स अेकट -१९प८
(४)भिक्षा प्रतिबंधक धारो- १९प९
(प) विकलांग (समान तको अधिकारोनुं रक्षण अने पूर्ण भागीदारी) धारो १९९प
(६) जुवेनाइल जस्टीस (केर अेन्ड प्रोटेकशन ओफ चिल्ड्रन) अेकट र००० (सधारेल - र००६)
(७) आर।सी। आइ। अेकट १९९र
(८) नेशनल ट्रस्ट अेकट १९९९
(९) अनाथ आश्रम अने अन्य सखावडी संस्थाओ (देखरेख अने नियंत्रण)धारो १९६०
(१०)नागरिक हकक रक्षण धारो १९पप
(११)अत्याचार निवारण धारो १९८९
(१र)गुजरात जुवेनाइल जस्टीस (केर अेन्ड प्रोटेकशन ओफ चिल्ड्रन) रूल्स, र०११

आधुनिक समयना अन्य बाएको साथे आ बाएको कदमथी कलम मिलावी चाली शके ते माटेना पयत्नो अने कार्यो संस्था अने समाजना दरेक व्यकितओ द्वारा थाय तेवा पगला भरवा जोइअे। आवा बाएकोने समाजमां योग्य स्थान मएे अने पोतानी जातने समाजमां प्रस्थापित करी शके तेवा प्रयत्नो करवा जोइअे। अनाथ बाएकोने समाजमां सारी ओएख अपाववी जोइअे।

## REFERENCES

जोषी विघुत अे " समाजशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दकोष " युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड अमदावाद- १९९७, पोल सि।पुष्पा " मातृछाया अनाथआश्रम " सिस्टर ओफ चेरीटी ओफ सेट अन्ना मातृछाया, नडियादपेम्फलेट (१९८६), जानी प्रकाश के। त्रिदेवी उमेश अे। " धी जुवेनाइल जस्टीस केर अेन्ड प्रोटेकशन ओफ चिल्ड्रन अेकट र००० गुजरात हाइकोर्ट (र००६) ", धभ्ख(य्त्भ र गुजरात नियामक, समाज सुरक्षा